Under CSR Support by Ipca Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

बहुविकल्पी प्रश्न

1. बालगोबिन भगत पाठ के अनुसार खाँजड़ी डिमक-डिमक बज रही है और वे गा रहे हैं- यहाँ किसके गाने की बात हो रही है?

(अ) तीर्थयात्रा पर जा रहे कुछ साधुओं के
(ब) कबीर के
(स) रामानन्द के
(द) बालगोबिन भगत के

2. बालगोबिन भगत के विषय में कौन-सी बात सबसे उचित है?

(अ) भगत गृहस्थ जीवन में भी एक संन्यासी की तरह थे।
(ब) भगत अपने बेटे को बोझ मानते थे इसलिए उसकी मृत्यु पर दुखी नहीं हुए।
(स) उनको गृहस्थी से मुक्ति चाहिए थी इसलिए पतोहू को भाई के साथ भिजवा दिया ।
(द) भगत को सुबह-सुबह उठकर कबीर के पदों को गाने का शौक था।

3. भगत जी के गीतों की क्या विशेषता थी?

(अ) उनके गीतों में अज्ञानी तथा भटके हुए लोगों को राह पर लाने की टेर होती थी
(ब) गीतों के बोल भगत जी की जिह्वा का स्पर्श पाकर जीवंत हो उठते थे
(स) भगत जी के गीतों में ईश्वर के प्रति आस्था तथा प्रेम था
(द) सभी

4. बालगोबिन किसको साहब मानते थे?

(अ) बहु को
(ब) ईश्वर को
(स) पुत्र को
(द) कबीर को

5. बालगोबिन भगत अपनी गृहस्थी का पालन कैसे करते थे?

(अ) अपने साहब के दरबार से प्राप्त हुए प्रसाद से
(ब) भिक्षा में प्राप्त हुए खाद्य पदार्थ से
(स) खेत में काम के बदले मिली मज़दूरी से
(द) खेत में पैदा हुए अन्न से

6. बालगोबिन भगत अपने साहब के प्रति श्रद्धा कैसे दर्शाते थे?

(अ) सभी कथन
(ब) सामाजिक आडंबरों एवं रूढ़ियों का विरोध करके
(स) संसार को नश्वर तथा ईश्वर को सत्य बताकर
(द) उनके गीतों को गाकर एवं उनके दिखाए रास्तों पर चलकर

7. बालगोबिन भगत की संगीत का चरमोत्कर्ष कब दिखा ?

(अ) बेटे की मृत्यु के समय
(ब) रात में संगीत साधना के समय
(स) खेती के समय
(द) सभी

8. बालगोबिन भगत अपनी जीविका कैसे चलाते थे?

(अ) व्यापार करके
(ब) खेती-बाड़ी करके
(स) भीख माँगकर
(द) मंदिर से जो मिलता था, उसे खा लेते थे

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

9. बेटे की मृत्यु के पश्चात बालगोबिन भगत ने अपने पतोहू के भाई से क्या कहा?

(अ) पतोहू को घर से निकालना
(ब) पतोहू का पुनर्विवाह करवाना
(स) पतोहू से घृणा करना
(द) पतोहू को शिक्षा दिलवाना

10. रात के अंधेरे में आधी रात को बालगोबिन भगत निम्न में कौन गीत गा रहे हैं?

(अ) राम-राम गुण गाए जा, बेड़ा पाए लगाए जा
(ब) राम नाम की लूट है
(स) गठरी में लागा चोर
(द) सभी

रिक्त स्थान :

11. बालगोबिन भगत जी ____________ की माला पहनते थे।

12. बालगोबिन ने ____________ की स्थापना की।

सत्य / असत्य

13. बालगोबिन भगत की आजीविका का साधन कृषि था।

14. भगत जी के बेटे का क्रिया-कर्म पड़ोसी ने किया।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. बालगोबिन का पुत्र कैसा था?

16. बालगोबिन भगत पुत्र की मृत्यु पर रोने के बजाय उत्सव मनाने की बात क्यों कहते हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. भगत की पुत्रवधू और भगत दोनों एक-दूसरे की हित-चिंता में जिद पर अड़े थे- पुष्टि कीजिए।

18. बालगोबिन भगत की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं था, कोई दो उदाहरण लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. गर्मियों की एवं उमस में भगत का आँगन शीतलता प्रदान करता था। कैसे? गर्मियों की संझा को बालगोबिन भगत प्रायः कैसे बिताते थे।

20. बालगोबिन भगत के स्वरों में एक विशेष प्रकार का आकर्षण था। पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

HOTS

21. भगत के विचार में आनंद की बात क्या है?

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by ipca Foundation
missiongyan

1. (अ) बालगोबिन भगत के।
2. (अ) भगत गृहस्थ जीवन में भी एक संन्यासी की तरह थे।
3. (द) भगत के गीतों की विशेषता यह थी कि उनके गीतों में ईश्वर के प्रति आस्था और प्रेम था और उनके गीत अज्ञानी तथा भटके हुए लोगों को सही राह दिखते थे। उनकी जिह्वा के स्पर्श से उनके गीत जीवंत हो जाते थे
4. (द) कबीर को।
5. (अ) अपने साहब के दरबार से प्राप्त हुए प्रसाद से।
6. (अ) बालगोबिन भगत ईश्वर को एकमात्र सत्य मानते थे, वे सामाजिक रूढ़ियों और आडंबरों का विरोध करते थे और कबीर के बताए रास्ते पर चलते थे। इ प्रकार वे अपने साहब के प्रति अपनी श्रद्धा दर्शाते थे।
7. (अ) बालगोबिन भगत की संगीत का चरमोत्कर्ष उनके बेटे की मृत्यु के समय दिखा।
8. (ब) खेती-बाड़ी करके
9. (ब) बेटे की मृत्यु के पश्चात बालगोबिन भगत ने अपने पतोहू के भाई से पतोहू का पुनर्विवाह करवाने के लिए कहा।
10. (स) रात के अँधियारे में आधी रात को बालगोबिन भगत गठरी में लागा चोर गीत गा रहे हैं।
11. **रिक्त स्थान :** तुलसी की
12. **रिक्त स्थान :** विधवा विवाह
13. **सत्य / असत्य :** सत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. सुस्त और बोदा।
16. बालगोबिन भगत' पुत्र की मृत्यु पर रोने के बजाय उत्सव मनाने की बात उनकी आत्मा को गर्व महसूस करने और उनकी जीवन को समर्पित करने का एक तरीका हो सकती है।
17. भगत चाहते थे कि उनकी पुत्रवधू का पुर्नविवाह हो जाए और वो अपना शेष जीवन खुशी से व्यतीत कर सके परंतु उनकी पुत्रवधू जानती थी कि उनके बाद भगत का कोई भी ख्याल रखने वाला नहीं होगा इसलिए वो उनको छोड़ कर नहीं जाना चाहती थी। वह जीवनभर उनकी सेवा करना चाहती थी।
18.

i. वह अपनी संयमित भोजन और संयमित जीवनशैली के माध्यम से आहार की महत्वता को बताते और अपनाते थे।

ii. वह स्वच्छता के पक्ष में बढ़ी हुई जागरूकता फैलाने के लिए स्वयं उदाहरण स्थापित करते थे।

19. गर्मी की उमस भगत जी के स्वरों को निढाल नहीं कर पाती थी, बल्कि उनके संगीत से वातावरण शीतल हो जाता था। अपने घर के आंगन में आसन जमा बैठते। गांव के कुछ संगीत प्रेमी भी उनका साथ देते। खंजड़ी और करतालों की संख्या बढ़ जाती। एक पद गोविंद जी कहते, पीछे उनकी मंडली उसे दूसरी बार तीसरी बार बोलती जाती। एक निश्चित ताल, एक निश्चित गति से धीरे धीरे स्वर ऊंचा होने लगता। उस ताल- स्वर् चढ़ाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते। धीरे धीरे मन तन पर हावी हो जाता अर्थात लोगों के मन के साथ साथ उनका शरीर भी झूमने लगता। एक क्षण ऐसा भी आता जब भगत जी नाच रहे होते तथा सभी उपस्थित लोगों के तन मन भी झूम रहे होते। सारा आंगन नृत्य और संगीत से भरपूर हो जाता तथा गर्मी की उमस भी शीतल प्रतीत होने लगती।

बालगोबिन भगत अपने मुधर गायन से गर्मियों की उमस भारी शाम को शीतल कर देते थे। वे अपने घर के आँगन में आसन जमा कर बैठे जाते और खंजड़ी और करताल के साथ 'संझा' गाने लगते। गाँव के अन्य लोग भी उनके पीछे-पीछे पदों को दोहराते। धीरे-धीरे स्वर इतना ऊँचा हो जाता कि भगत संगीत प्रेमियों के साथ खंजड़ियों और करतालों में खो जाते और भक्ति में लीन हो नाचने लगते। इस प्रकार सम्पूर्ण वातावरण संगीतमय हो जाता था।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App

20. बालगोबिन भगत के स्वरों में एक विशेष प्रकार का आकर्षण था, जो उनके गायन के प्रभाव को स्पष्ट करता है। पाठ के आधार पर, बालगोबिन का गायन सुनकर बच्चों का खेलते हुए झूम उठना, औरतों का गुनगुनाना, हलवाहों के पैरों का ताल से उठना, और रोपनी करने वालों की अँगुलियों का एक क्रम से चलने लगना, सभी इस बात के संकेत हैं कि उनके स्वर में एक जादू और मंत्रमुग्ध करने की शक्ति थी। लेखक भी इस आकर्षण से प्रभावित होकर सुबह-सवेरे पोखर तक चले गए। बालगोबिन भगत का गायन लोगों को न केवल भावनात्मक रूप से छूता था, बल्कि उनके दैनिक कार्यों और गतिविधियों को भी एक सुंदरता और ऊर्जा प्रदान करता था।

21. **आत्मा-परमात्मा का मिलन :** भगत के अनुसार, मृत्यु एक अलगाव नहीं, बल्कि आत्मा का परमात्मा से मिलन है।

विरहिणी का प्रेमी से मिलन : जिस प्रकार एक विरहिणी (प्रेमिका) अपने प्रेमी से मिलती है, उसी प्रकार आत्मा अपने परमात्मा से मिलती है। यह मिलन आनंद का कारण है।

शोक के स्थान पर उत्सव : भगत पुत्र की मृत्यु पर शोक मनाने की बजाय, इसे आत्मा के परमात्मा से मिलन के उत्सव के रूप में देखते हैं।

सांसारिक मोह-माया से मुक्ति : भगत का मानना है कि मृत्यु सांसारिक मोह-माया से मुक्ति का मार्ग है, और यह मुक्ति आनंद का कारण है।

संक्षेप में, भगत के लिए आनंद की बात यह है कि मृत्यु एक दुखद घटना नहीं, बल्कि आत्मा के परमात्मा से मिलन का आनंदमय अवसर है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App